



## ग्रामीण कृषी मौसम सेवा

भारत मौसम विभाग

प्रायोगिक ब्लॉक लेव्हल अॅग्रोमेट अॅडव्हायझरी बुलेटिन  
(आयएमडी आणि आयसीएआर चा संयुक्त उपक्रम)



### हवामानावर आधारीत कृषि सल्ला

दिनांक : 19-06-2026

नागपूर(महाराष्ट्र) मध्ये काटोल ब्लॉक करा साठी हवामान पूर्वानुमान - वर जारी : 2026-06-19 ( पुढील पाच दिवसांसाठी सकाळी ८:३० वाजेपर्यंत वैध)

| हवामान घटक                       | 2026-06-20 | 2026-06-21 | 2026-06-22 | 2026-06-23 | 2026-06-24 |
|----------------------------------|------------|------------|------------|------------|------------|
| पर्जन्यमान (मिमी)                |            |            |            |            |            |
| कमाल तापमान (अं.से)              |            |            |            |            |            |
| किमान तापमान (अं.से)             |            |            |            |            |            |
| सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (टक्के)  |            |            |            |            |            |
| दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (टक्के) |            |            |            |            |            |
| वाऱ्याचा वेग(किमी/तास)           | 0          | 0          | 0          | 0          | 0          |
| वाऱ्याची दिशा(अंश)               | 360        | 360        | 360        | 360        | 360        |
| मेघाच्छादन (ऑक्ट)                |            |            |            |            |            |

#### हवामान सारांश / चेतावणी:

• भारतीय हवामान विभाग, प्रादेशिक हवामान केंद्र, नागपूर च्या अंदाजानुसार, पुढील ५ दिवसा दरम्यान आकाश आंशिक ते अंशतः ढगाळ राहण्याची शक्यता, • दिनांक २०, २१ आणि २२ जून २०२६ रोजी हलक्या स्वरूपाचा पाऊस होण्याची शक्यता • दिनांक २३ जून २०२६ रोजी हलक्या ते मध्यम स्वरूपाचा पाऊस होण्याची शक्यता, • दिनांक २४ जून २०२६ रोजी हवामान कोरडे राहण्याची शक्यता वर्तविण्यात आली आहे. • दिनांक २०, २१, २२ आणि २३ जून २०२६ रोजी वादळी वाऱ्यासह (४० ते ५० किमी/तास) मेघगर्जना व विजांचा कडकडाट होण्याची शक्यता वर्तविण्यात आली आहे.

#### कृषि सल्ला:

• कपाशीची पूर्व मान्सून लागवड टाळावी. जिल्ह्यात सद्यस्थितीत पेरणीयोग्य पुरेसा पाऊस झाला नसल्याने अपुऱ्या ओलाव्यामध्ये खरीप पिकांची पेरणी टाळावी. • मेघगर्जनेसह वादळ वारा व पावसापासून पशुधन व कुक्कुट पक्षांचे साठवलेले पशुखाद्य, चार व कडबा ई. प्लास्टिक/ताडपत्रीने झाकून ठेवावे. • पावसाचे पाणी जागेवर मुरण्यासाठी मुख्यतः शेताची पेरणी पूर्व मशागत समतल (कंटूर) शेतीला समांतर किंवा मुख्य उताराला आडवी करावी. ही बाब यावर्षीपासून अवर्षणाचे समजून शेतात अवलंब करावी. • खरीप पिकांच्या सुधारित (सरळ) जातीचे बियाणे वापरावे. संक्रमित वाणांच्या तुलनेत सरळ वाणांच्या लागवडीचा खर्च कमी व निळकं मळ जास्त येतो. पुन्हील बियाण्यास या वाणांचे ५० टक्के किंवा त्यापेक्षा जास्त जलदवेगाने पेरणी करावी व वर्षाच्या उत्पादनातून राहून ठेवलेल्या बियाण्याचा निवड करावा. • पेरणीसाठी सर्व बियाण्यांची (विशेषतः सोयाबीनची) उगवणक्षमता घरात तपासावी. बियाण्याची उगवण क्षमता ७० ते ८० टक्के असल्यास पेरणीसाठी बियाणे वापरावे. यामुळे बियाणे झाडांची योग्य संख्या राहून चांगले उत्पादन मिळते. • माती परीक्षा अहवालाच्या शिफारशीप्रमाणे रासायनिक खतांचा मात्रा घ्यावा व त्यानुसार रासायनिक खतांचा मात्रा वापर करावा. खतांचा डोस दिल्यास पिकांच्या उत्पादनात घट येते. • कोरडवाहू सलग पिका एवजी खालिल आंतर पिके घ्यावीत. कपाशी : ज्वारी : तूर : ज्वारी (६:१:२:१ ओळी), •

सोयाबीन : ज्वारी : तूर : ज्वारी (६:१:२:१ ओळी), सोयाबीन : तूर (२:१ किंवा ४:१ किंवा ५:१ ओळी), कपाशी : मूग किंवा उडीद (९:१ ओळी).

### संक्षिप्त संदेश सल्ला:

• कपाशीची पूर्व मान्सून लागवड टाळावी. जिल्ह्यात सद्यस्थितीत पेरणीयोग्य पुरेसा पाऊस झाला नसल्याने अपुन्या ओलाव्यामध्ये खरीप पिकांची पेरणी टाळावी.

### पिक निहाय सल्ला:

| पिक     | पिक निहाय सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
|---------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| सोयाबीन | <ul style="list-style-type: none"> <li>मान्सून चा पुरेसा पाऊस होईपर्यंत सोयाबीन ची पेरणी टाळावी. • सोयाबीन लागवडीकरता मध्यम ते भारी प्रतीची, उत्तम पाण्याचा निचरा होणारी, तसेच सामू ६.५ ते ७.५ असणारी जमीन निवडावी. नांगरणी नंतर वखराच्या २ ते ३ पाळ्या देऊन जमीन समपातळीत करावी त्याचबरोबर शेवटच्या वखराच्या पाळीपूर्वी ५ टन चांगले कुजलेले शेणखत अथवा कंपोस्ट खत पेरणी पूर्वी शेतात एक सारखे सम प्रमाणात मिसळून द्यावे. खते, तणनाशके, बुरशीनाशके आणि बीज प्रक्रियेसाठी लागणारी जीवाणू संवर्धने इत्यादी महत्वाच्या निविष्टांची उपलब्धता सुनिश्चित करावी. घरचे धान्य बियाणे म्हणून वापरावयाचे असल्यास बियाण्याची उगवण क्षमता तपासून घ्यावी.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |
| तूर     | <ul style="list-style-type: none"> <li>Sowing of pigeon pea should be avoided till sufficient rain. • For sowing of pigeon pea land is prepared by at least one ploughing followed by 2 to 3 harrowing. Apply well decomposed FYM before last harrowing @ 15 to 20 bullock carts per hectare. • Agricultural land should be prepared for cultivation of Arhar crop. • Good quality seeds of Arhar crop should be procured from authorized seller/certified seed holder only. • Rhizobium or Phosphorus Dissolving Fertilizer (PSB) {250 gm per 10 kg of seed} should be used for seed treatment. • Recommended varieties of Arhar are- AKT 8811, PKV-TARA, BSMR-853, BSMR-736, BDN-716 and ICPL-87119 (Aasha). • मान्सून चा पुरेसा पाऊस होईपर्यंत तूर पेरणी टाळावी. • तुरीच्या पेरणीपूर्वी नांगरणी व वखराच्या २ ते ३ पाळ्या देऊन शेतजमीन तयार करावी. शेवटच्यावखरणी पूर्वी १५ ते २० गाड्या / हेक्टरी चांगले शेणखत शेतजमिनीत मिसळावे. • तूर पिक लागवडीकरिता शेतजमीन तयार करावी. • तूर पिकाचे चांगल्या प्रतीचे बियाणे अधिकृत विक्रेत्याकडून/प्रमाणित बियाणेधारकाकडूनच करावी. तूर बियाण्याला बीज प्रक्रियेसाठी रायझोबियम किंवा स्फुरद विरघळविणारे खते (पीएसबी) {२५० ग्राम प्रती १० किलो बियाणे; यांचा वापर करावा. • तूर पिकाचे शिफारस केलेले वाणएकेटी-८८११, पीकेव्ही-तारा, बीएसएमआर-८५३, बीएसएमआर-७३६, बीडीएन-७१६ आणि आयसीपीएल-८७११९ (आशा).</li> </ul> |
| कपाशी   | <ul style="list-style-type: none"> <li>मान्सून चा पुरेसा पाऊस होईपर्यंत कपाशीची लागवड टाळावी. • गुलाबी बोंड अळीच्या नियंत्रणासाठी पूर्व हंगामी कापूस लागवड टाळावी. कंपोस्ट खत तयार करावे तसेच पन्हाटीचे ढीग धुन्यावर किंवा बांधावर ठेवू नये जेणेकरून येणाऱ्या खरीपातील कापूस पिकावर गुलाबी बोंड अळीचा प्रादुर्भाव रोखण्यास मदत होईल. • लवकर किंवा मध्यम कालावधीकरिता पक्क होणारे (१४० ते १५० दिवसात) वाणांची लागवड करावी.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| मुग     | <ul style="list-style-type: none"> <li>मान्सून चा पुरेसा पाऊस होईपर्यंत मुग ची पेरणी टाळावी. • मुगाच्या पेरणीसाठी शेतजमीन वखराच्या २ ते ३ पाळ्या देऊन तयार करावी. शेवटच्या वखरणीपूर्वी चांगले कुजलेले शेणखत ५ टन/हेक्टरी जमिनीत टाकावे. • मुग पिकाच्या पेरणीसाठी कोपरगाव, पी.के.व्ही. ए.के.एम.-४, पी.के.व्ही.मुग-८८०२ आणि पी.के.व्ही.ग्रीन गोल्ड (ए.के.एम.-९९११) यापैकी एका वाणांची निवड करावी. • लिफ क्रिकल रोग हा रोगग्रस्त बियाणांद्वारे होत असल्यामुळे बियाण्यास गरम पाण्याची बीज प्रक्रिया ५२० से. तापमानावर २० ते ३० मिनिटे ठेवून करावी. या पिकात सुरुवातीस प्रादुर्भाव रस शोषणाऱ्या किडीमुळे होत असल्यामुळे या किडीचा प्रादुर्भाव रोखण्यासाठी इमिडाक्लोप्रिड ७० टक्के डब्ल्यू जी या कीटकनाशकाची ५ ग्रॅम प्रति किलो किंवा इमिडाक्लोप्रिड ४८ टक्के एफएस १० मि.लि. प्रति किलो या प्रमाणे बीज प्रक्रिया करावी.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
| उडीद    | <ul style="list-style-type: none"> <li>मान्सून चा पुरेसा पाऊस होईपर्यंत उडीद पेरणी टाळावी. • उडीदाच्या पेरणीसाठी शेतजमीन वखराच्या २ ते ३ पाळ्या देऊन तयार करावी. शेवटच्या वखरणीपूर्वी चांगले कुजलेले शेणखत ५ टन/हेक्टरी जमिनीत टाकावे. • उडीदाच्या पेरणीसाठी पी.के.व्ही. उडीद (ए.के.यू.-१५), पी.डी.के.व्ही.ब्लॉक गोल्ड (ए.के.यू.-१०-१), टी.ए.यू.-१ आणि टी.ए.यू.-२ यापैकी एका वाणांची निवड करावी.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |

| पिक | पिक निहाय सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
|-----|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| मका | <ul style="list-style-type: none"> <li>मान्सून चा पुरेसा पाऊस होईपर्यंत मका ची पेरणी टाळावी. • मक्याच्या पेरणीसाठी राजर्षी, पीकेव्ही एम शतक, उदय, कुबेर यापैकी एका वाणांची निवड करावी. मक्याच्या खरीपातील पेरणीसाठी शक्यतो सरळ वाणांची निवड करावी, कारण संकरीत वाणांच्या तुलनेत सरळ वाणांचा लागवडीचा खर्च कमी व निव्वळ नफा जास्त येतो. • मका पिकावरील नवीन लष्करी अळीसाठी स्वच्छता मोहीम राबवावी व शिफारशीत खताची मात्रा घ्यावी तसेच नत्र खतांचा अतिरिक्त वापर करू नये. मका बियाण्यास सायन्टॅनिलीप्रोल १९.८ + थायोमेथॉक्साम १९.८ टक्के एफएस ६ मि.लि. प्रति किलो या प्रमाणे बीज प्रक्रिया करावी.</li> </ul> |

### पशुधन विषयक निहाय सल्ला:

| पशुधन विषयक     | पशुधन विषयक निहाय सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
|-----------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| गाय             | <ul style="list-style-type: none"> <li>विजांचा कडकडाटासह मेघगर्जना होण्याची शक्यता लक्षात घेता गाय, म्हैस, शेळ्या, मेंढ्या व इतर पाळीव जनावरे मोकळ्या जागेत चरावयास सोडण्याचे टाळावे. • शेतकऱ्यांनी पावसाळ्यापूर्वी गोठा दुरुस्त करावा छताची छिद्रे बंद करावीत. गोठ्यात भोवती पाणी साचणार नाही याची दक्षता घ्यावी.</li> </ul> |
| बकरा किंवा बकरी | <ul style="list-style-type: none"> <li>शेळ्यांना पायखुरी/तोंडखुरी, घटसर्प आणि आंत्रविषार टाळण्याकरिता पशुवैद्यकीय अधिकाऱ्याच्या सल्ल्याने लसीकरण करावे. जनावरांना स्वच्छ आणि थंड पाण्याची सोय करावी.</li> </ul>                                                                                                               |

### इतर (माती / जमीन तयार करणे) निहाय सल्ला:

| इतर (माती / जमीन तयार करणे) | इतर (माती / जमीन तयार करणे) निहाय सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |
|-----------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| सामान्य सल्ला               | <p>• Farmers should select recommended crop varieties that are suitable for the local climate and growing conditions when purchasing seeds. Such varieties generally have better resistance or tolerance to pests and diseases. Information on the performance of different seed varieties, available from nearby agricultural data centers, can be helpful in making seed purchase decisions. Farmers should also consult agricultural officers and scientists from the local agriculture department to obtain information about new, improved, and hybrid varieties, as well as technical guidance on appropriate crop management practices. • If irrigation facilities are available, varieties suitable for irrigated conditions should be selected. For rainfed areas, only varieties specifically recommended for dryland cultivation should be chosen. High-quality, certified seeds should be purchased only from registered agricultural service centers. If seeds are available from agricultural universities or their research stations, farmers should consider purchasing them from these reliable sources. • While purchasing seeds, farmers should not rely solely on company representatives or seed dealers. Similarly, decisions should not be based only on company advertisements. Instead, they should verify official information about the variety, including recommendations, performance under local conditions, guidance from agricultural departments and universities, and the experiences of other farmers. Seed selection and purchase should be made only after carefully considering all these factors. • शेतकऱ्यांनी बियाणे खरेदी करताना स्थानिक हवामान व परिस्थितीचे अनुकूल शिफारस केलेले वाण निवडावेत. कारण अशा वाणांमध्ये कीडी व रोगांविरुद्ध प्रतिकारक्षमता किंवा सहनशीलता अधिक असते. नजीकच्या संगणक डाटा केंद्रांमध्ये उपलब्धलेल्या बियाण्यांच्या अनुभवाची माहिती बियाणे खरेदीसाठी उपयुक्त ठरू शकते. आपल्या परिसरातील कृषी विभागातील कृषी अधिकारी व शास्त्रज्ञ यांच्याशी चर्चा करून नवीन, सुधारित व संकरीत वाणांची माहिती घ्यावी तसेच संबंधित पीक पद्धतीबाबत तांत्रिक मार्गदर्शन मिळवावे. ओलीत किंवा सिंचनाची सुविधा उपलब्ध असल्यास, त्यानुसार योग्य वाणाची निवड करावी. कोरडवाहू जमिनीसाठी शिफारस केलेल्या वाणांचीच निवड करावी. उत्तम प्रतीचे, खात्रीशीर बियाणे केवळ नोंदणीकृत कृषी सेवा केंद्रातून खरेदी करावे. कृषी विद्यापीठे किंवा विद्यापीठांचे संशोधन केंद्रांकडे बियाणे उपलब्ध असता तर तिथून ते खरेदी करावे. बियाण्याची खरेदी करताना केवळ कंपनीचे प्रतिनिधी किंवा विक्रेते यांच्यावर पूर्ण विश्वास ठेवू नये. तसेच कंपनीच्या जाहिरातींवर अवलंबून न राहता, संबंधित वाणांची अधिकृत माहिती</p> |

|                                         |                                                                                                                                                                    |
|-----------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| इतर<br>(माती /<br>जमीन<br>तयार<br>करणे) | इतर (माती / जमीन तयार करणे) निहाय सल्ला                                                                                                                            |
|                                         | तपासावी. शिफारस, स्थानिक परिस्थितीत त्याची कामगिरी, कृषी विभाग/विद्यापीठांचे मार्गदर्शन आणि इतर शेतकऱ्यांचा अनुभव यांचा विचार करूनच बियाण्याची निवड व खरेदी करावी. |